DATE : / /
PAGE : 1

2) Q. हिन्दी पत्र - पत्रिकाओं के महत्व अथवा विशेषताओं पर प्रकाश डाले।

उ. पत्र - पत्रिकाएँ एक ऐसा सशक्त माध्यम है जो समसामयिक जीवन की विविध घटनाओं विभिन्न प्रसंगो और नित्य नए-नए संदर्भों को प्रस्तुत करने की क्षमता रखता है। आज का जीवन जितना जटिल विसंगतीपूर्ण और बहुआयामी है उसे यथार्थ रूप में पत्र - पत्रिकाओं द्वारा ही प्रस्तुत किया जा सकता है। पत्र - पत्रिकाएँ सामाजिक आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक जीवन के विभिन्न पक्षों से जुड़ा हुआ माध्यम है। जिस तरह शारीरिक भुख को शांत करने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है ठीक उसी तरह मानसिक संतुष्टि के लिए पत्र-पत्रिकाएँ हमारे जीवन का अनिवार्य अंग बन जाती है।

पत्र - पत्रिकाओं का श्री गणेश समाचार जगत से जुड़ा हुआ है। कहाँ क्या हो रहा है क्यों हो रहा है कब हुआ, किसके द्वारा हुआ आदि की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की अभिलाषा रहती है। समाचारो के बारे में जानने की उत्सुकता मनुष्य के जीवन का अद्भुत अंग है क्योंकि मानव एक सामूहिक जीवन व्यतीत करता है और ऐसा जीवन समष्टि (समाज) के जीवन का ही अंग है। पत्र - पत्रिकाएँ मानव मात्र के लिए अत्यंत उपयोगी है, क्योंकि हमारे सामाजिक आर्थिक राजनैतिक तथा सांस्कृतिक जीवन की सभी

48MP AI QUAD CAMERA
Shot by realme 5s

Scanned with CamScanner

समस्याओं का उनमे समावेश होता है। ये समय के अनुकूल विविध विषयो पर नए नए विचार विश्व के सामने उपस्थित करते हैं

"पत्र-पत्रिकाएँ समाज और साहित्य के इतिहास में अपना स्थान तो बना ही लेती है साथ ही उसका निर्माण भी करती है।"

"पत्र-पत्रिकाएँ पत्रकारिता की एक ऐसी विधा है जिसमें पत्रकारो के संपूर्ण कार्यो, कर्तव्यो और लक्षणो का विश्लेषण होता है।"

"जीवन की विविधता और नए-नए साधनो की प्रचुरता ने पत्र-पत्रिकाओं को बहुआयामी बना दिया है जिससे इसका स्वरूप अति विस्तृत हो गया।"

पत्र-पत्रिकाएँ जनमानस के समक्ष लोक कल्याण संबंधी कार्यो को प्रस्तुत करती है। 1 पत्र-पत्रिकाएँ समसामयिक घटनाओं की कुंजी है। पत्र-पत्रिकाएँ ~~असत्य~~ असत्य और असुन्दर पर सत्यं शिवं 2 सुन्दरम् की शंख ध्वनि है। पत्र-पत्रिकाएँ का महत्त्व संपूर्ण समाज मे नव संचार, संजीवता, जागरण, स्फूर्ति, सक्रियता 3. और गतिमयता के संदेश को प्रचार और प्रसार करना है। पत्र-पत्रिकाओं और

48MP AI QUAD CAMERA
Shot by realme 5s

Scanned with CamScanner

... इच्छाओं और विचारों को समझना तथा उन्हें व्यक्त करना है।"

2) दूसरा उद्देश्य जनता में सद्भावना जाग्रत करना।

3) तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक उद्देश्यों को निश्चितापूर्वक प्रकट करना है।

जनमानस को प्रभावित करने और उसे दिशा देने वजन रूचि को परिष्कृत या विकृत करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है पत्र-पत्रिकाएँ। पत्र-पत्रिकाओं से जुड़ा व्यक्ति भी सामाजिक प्राणी होता है। सामाजिक दायित्वों को निभाना उसका सर्वोपरि कर्तव्य माना जाता है। सामाजिकता के संदर्भ में पत्र-पत्रिकाओं के निम्नलिखित महत्व या उद्देश्य है :—

1. दिनभर की घटनाओं को सच्चा बोधगम्य विवरण देना।

2. आलोचनाओं तथा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम बनाना।

3. समाज के विभिन्न वर्गों के बारे में उचित और सही जानकारी देना।

(4) समाज की मान्यताओं और उसके लक्ष्यों को प्रस्तुत करना ।

(5.) दिनभर के लिए पूरी तरह बौद्धिक और तर्कसंगत मानसिक भोजन प्रदान करना ।

(6) पत्र - पत्रिकाओं का मूल उद्देश्य सत्य का उद्घाटन करना है ।

(7) पत्र - पत्रिकाओं का उद्देश्य के बारे में चर्चिल ने कहा था —

" प्रेस अर्थात् समाचार पत्र उद्योग आजाद नागरिक के उन सभी अधिकारो को सदा जागृत करने वाला प्रहरी होता है जो उसके लिए अनमोल होता है। पत्र - पत्रिकाओं का लक्ष्य पत्रकार पर भी निर्भर है कि उसे हर विचार को दबाने के बजाय उसे उभार देना चाहिए ताकि जनता के सामने सारी स्थिति स्पष्ट हो सके । "

पत्र - पत्रिकाओं की समाज के विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न - भिन्न भूमिकाएँ हैं — पत्र - पत्रिकाएँ समाज का एक अभिन्न अंग है। जीवन की विविधता और नए - नए साधनो की प्रचुरता ने पत्र - पत्रिकाओं के क्षेत्र को अति विस्तृत

Scanned with CamScanner

कर दिया है। पत्र - पत्रिकाएँ समाज को ज्ञान का प्रकाश प्रदान करती है। प्रायः यह देखा गया है कि जिस देश में समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की स्थिति जितनी अच्छी होती है उस देश की आर्थिक, राजनीतिक एवं सामाजिक स्थिति उसी के अनुरूप उतनी ही अच्छी होती है। पत्र - पत्रिकाएँ समाज के सदस्यों तथा संस्थाओं के बीच परस्पर संबंध स्थापित करती है। ये पत्रिकाएँ लोक विचारों की समवाहिका (ढोना) है। लोक मत एवं लोक मान को वाणी प्रदान करना उसका धर्म है। पत्र - पत्रिकाओं का समाज में महत्वपूर्ण स्थान है। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में इनकी महत्वपूर्ण एवं निर्णायक भूमिका रहती है जैसे — राजनीति, प्रशासन, शिक्षा, विज्ञान, कृषि, खेल, संगीत आदि क्षेत्रों में पत्र - पत्रिकाएँ प्रवेश कर चुकी है। संगीत के क्षेत्र में पत्र - पत्रिकाओं की भूमिका का संक्षिप्त वर्णन इस प्रकार है — संगीत एक आनंदमय कला है, जो जीवन के हर अच्छे - बुरे मोड़ पर साथ निभाती है। संगीत को ईश्वर प्राप्ति का सबसे सरल मार्ग बताया गया है। संगीत से समाज में विशेष मान सम्मान तथा गौरव की प्राप्ति होती है। संगीत का अर्थ है — गायन, वादन और नृत्य तीनों कलाओं के मिलन से जो संगीत बना वह संगीत है। संगीत की मधुर स्वर लहरियों से परमात्मा से सेवा...

Scanned with CamScanner

अहम भूमिका निभा रही है। संगीत के प्रचार - प्रसार में पत्र - पत्रिकाओं का महत्त्वपूर्ण स्थान है। संगीत, संगीतकला अनुगुंजित, संगीत निकुंज, संगीत पत्र - पत्रिकाओं में अपनी अहम भूमिका अदा कर रही है। कहा जा सकता है कि पत्र - पत्रिकाओं ने देश की पराधीनता के समय में देश और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए कड़ा संघर्ष किया तथा अपने अस्तित्व व अस्मिता की रक्षा करने में पूर्ण रूप से सफल हुई। पत्र - पत्रिकाएँ पत्रकारिता का महत्त्वपूर्ण अंग हैं, जो समाज के किसी भी क्षेत्र की उपेक्षा नहीं कर सकती हैं। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पत्र - पत्रिकाएँ अत्यंत प्रभावशाली भूमिका का निर्वाह करती हैं।

<u>निष्कर्ष</u> :— उपर्युक्त बिन्दुओं के माध्यम से यह कहा जा सकता है कि पत्र - पत्रिकाएँ समाज का विभिन्न अंग हैं। आरंभ से लेकर अंत तक अपने कर्तव्यों को निभाते हुए समाज को जागृत करने में अपना अतुलनीय योगदान अदा कर रही हैं। लोक संगीत, शास्त्रीय संगीत एवं सुगम संगीत को जनमानस तक पहुँचाना इनका मुख्य उद्देश्य है।

Scanned with CamScanner